

चीप स्त्री. (देश.) 1. एक बार कुदाल चलाने से निकलने वाला मिट्टी का खंड 2. चार अंगुल की एक लकड़ी जो जूते के कलबूत में पीछे भरी जाती है पुं. (तत्.) वृक्ष, पेड़ वि. (अं.) सस्ता, कम दाम का।

चीपड़ पुं. (देश.) आँख का कीचड़।

चीफ पुं. (अं.) बड़ा सरदार या राजा, मुखिया, जाति या कबीले का नेता या सरदार वि. (तत्.) प्रधान, श्रेष्ठ, मुख्य, बड़ा।

चीफ कमिश्नर पुं. (अं.) 1. एक प्रमुख अधिकारी 2. छोटे प्रदेश का प्रधान अधिकारी।

चीफ कोर्ट पुं. (अं.) ब्रिटिश व्यवस्था के अनुसार किसी छोटे प्रांत का प्रधान न्यायालय।

चीफ जस्टिस पुं. (अं.) कोर्ट का प्रधान जज।

चीफ मिनिस्टर पुं. (अं.) मुख्य मंत्री, राज्य विधान सभा के बहुमत दल का नेता।

चीमड़ वि. (देश.) 1. जो जल्दी फटे या टूटे नहीं 2. जल्दी पीछा न छोड़ने वाला व्यक्ति पुं. (फा.) 1. अमलतास की जाति का छोटा पौधा 2. एक पौधा जिसके बीज दवा के काम आते हैं।

चीमर पुं. (देश.) दे. चीमड़।

चीर पुं. (तत्.) 1. वस्त्र, कपड़ा 2. वृक्ष की छाल 3. पुराने कपड़े का टुकड़ा, चिथड़ा, लत्ता 4. गौ का थन 5. चार लड़ियों वाली मोतियों की माला 6. बौद्धभिक्षुओं के पहनने का वस्त्र 7. एक पक्षी 8. धूप का पेड़ 9. छप्पर का मँगरा 10. सीसा नामक धातु स्त्री. 1. चीरने का भाव या क्रिया 2. फटने की क्रिया या भाव 3. कुश्ती का एक पेंच।

चीरक पुं. (तत्.) लिखित प्रमाण का एक भेद, विकृत लेख।

चीर चोर पुं. (तत्.) चीर हरण करने वाले श्री कृष्ण।

चीरना स.क्रि. (तद्.) कागज, कपड़े, लकड़ी आदि को फाड़ना, टुकड़े करना, विभक्त, विदीर्ण करना प्रयो. वह आरी से लकड़ी चीरने में दक्ष है।

चीर फाड़ स्त्री. (देश.) 1. चीरने-फाड़ने का काम, चीरने फाड़ने का भाव।

चीरवासा पुं. (तत्.) 1. शिव, महादेव 2. यक्ष वि. (तत्.) 1. छाल या वल्कल पहनने वाला 2. चिथड़े पहनने वाला।

चीरहरण पुं. (तत्.) श्री कृष्ण की लीला जिसमें वे गोपियों का वस्त्र लेकर उस समय वृक्ष पर चढ़ गए थे जब वे यमुना में स्नान कर रही थीं।

चीरा पुं. (तद्.) 1. चीरने का घाव 2. पगड़ी बनाने के काम आने वाला, लहरियादार कपड़ा 3. गाँव की सीमा पर गड़ा हुआ पत्थर या खंभा आदि मुहा. चीरा उतारना- कौमार्य नष्ट करना।

चीराबंदी स्त्री. (देश.) ताश के कपड़े पर पगड़ी बनाने के लिए की जाने वाली बनावट।

चीरि स्त्री. (तत्.) आँख पर बाँधने की पट्टी।

चीरिका स्त्री. (तत्.) झिंगुर, झिल्ली।

चीरिणी स्त्री. (तत्.) बद्रीनाथ के निकट की एक प्राचीन नदी का नाम विशे. इसके पास वैवस्वत मनु ने तपस्या की थी, इसका नाम महाभारत में आया है।

चीरी वाक् पुं. (तत्.) एक प्रकार का कीड़ा।

चीर्ण वि. (तत्.) फटा हुआ, चीरा हुआ।

चील स्त्री. (तद्.) गिद्ध और बाज जाति की परंतु उनसे कुछ दुर्बल एक प्रसिद्ध चिड़िया।

चीलड़ पुं. (देश.) चीलर, पहने जाने वाले गंदे कपड़ों अथवा कुछ पशुओं के शरीर में पड़ने वाला एक प्रकार का कीड़ा।

चीला पुं. (देश.) चिलड़ा या चिल्ला।

चीलिका स्त्री. (तत्.) झिल्ली, झींगुर।

चीवर पुं. (तत्.) 1. साधु-संन्यासियों का पहनावा 2. बौद्ध भिक्षुओं का ऊपरी पहनावा, कंथा।

चीवरी पुं. (तत्.) 1. बौद्ध भिक्षुक 2. भिखमंगा।

चीसस्त्री. (देश.) 1. किलकारी, चिटकार, चिचियाहट 2. टीस, दर्द।